

# डॉ. रॉबर्ट यारब्रॉ, पास्टोरल एपिस्टल्स, सत्र 14, तीतुस 3

© 2024 रॉबर्ट यारब्रॉ और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट यारब्रॉ, देहाती धर्मपत्रों, देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए प्रेरितिक निर्देश पर अपने शिक्षण में हैं। सत्र 14, टाइटस 3.

हम टाइटस की पुस्तक में अपने अंतिम व्याख्यान पर आते हैं क्योंकि हम देहाती पत्रों का अध्ययन कर रहे हैं, जो देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए प्रेरितिक निर्देश हैं। संभवतः अनुयायियों के लिए देहाती पत्रों का अध्ययन करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि पादरी के लिए देहाती पत्रों का अध्ययन करना।

और जैसे ही हम टाइटस 3 को देखते हैं, हम देखते हैं कि वहां एक शीर्षक है, जिसे अच्छा करने के लिए सहेजा गया है, और हमें याद दिलाया जाता है कि एनआईवी में, जहां हम अपने शीर्षक प्राप्त कर रहे हैं, हम शीर्षकों को अध्याय 1 में वापस जाते हुए देखते हैं, ऐसे प्राचीनों को नियुक्त करना जो अच्छी बातों से प्रेम करते हों। अगला शीर्षक, अच्छा काम करने में असफल रहने वालों को डाँटना। अगला शीर्षक, सुसमाचार के लिए अच्छा करना, और अब अच्छा करने के लिए बचाया गया।

और हम पहले ही देख चुके हैं कि टाइटस में अच्छे कार्यों पर जोर दिया जाता है, जिसे एनआईवी अच्छा करने के लिए अनुवादित करता है। और हम यह भी देखते हैं, और हमने ठीक पिछले अध्याय के अंत में देखा, यह अत्यधिक धार्मिक तनाव, ईश्वर की कृपा पर तनाव और मसीह के कार्य पर तनाव। इसलिए शीर्षकों से आप यह न सोचें कि टाइटस मुख्य रूप से कोई नैतिक पुस्तक या नियमों की कोई सूची या कोई कोड है जिसे प्राचीन काल में कोई लेखक चर्च में लेकर आया था और लोगों को यह बताने की कोशिश की थी कि उन्हें अपना जीवन कैसे जीना चाहिए।

यह वास्तव में एक बहुत ही धार्मिक, धार्मिक आधार पर दी गई चेतावनियों का समूह है जो वास्तविक जीवन की स्थिति को संबोधित करता है। संभवतः दुनिया की हर मंडली में, यदि आप 5, 10, 15 साल की अवधि में बाहर जाते हैं, तो संभवतः हर मंडली, चर्च में, चर्च के बगल में, सापेक्ष रूप से उत्पन्न होने वाली ताकतों, लोगों के मुद्दे से निपटने जा रही है। चर्च, चर्च को प्रभावित करने वाले पादरी। कोई ऐसे विचारों के साथ आने वाला है जो चर्च के अभ्यास और सिद्धांत के लिए वास्तव में स्वस्थ नहीं हैं, और आपके पास ऐसे लोग होंगे जो ईश्वर को जानने का दावा करते हैं, लेकिन अपने कार्यों से, वे उसे नकार रहे हैं।

या बस पाप चर्च में घुस आता है। टाइटस इस तरह की बात को स्थानीय स्तर पर स्वस्थ तरीके से विस्तार करने वाले चर्च के लिए संबोधित कर रहा है, लेकिन यह भी कि जैसे-जैसे इसका विस्तार होता है और नई मंडलियां बनती हैं, उसके पास वह नेतृत्व टीम होगी जिसकी उसे आवश्यकता है। अध्याय 1 नेताओं के लिए योग्यता बताता है।

अध्याय 2 लोगों की भक्ति और चर्च में मौजूद व्यक्तिगत जनसांख्यिकीय समूहों के पोषण के लिए दिशा-निर्देश देता है, यह सब एक बहुत ही समृद्ध और सुंदर धार्मिक आधार पर है, जिसे हम अध्याय में आने पर कुछ छंदों में दोहराया हुआ देखेंगे। 3. तो, अध्याय 3, लोगों को याद दिलाएं, इसे ध्यान में रखें। और वह लाल रंग में है क्योंकि यह एक अनिवार्यता है। यह एक आदेश है।

लोगों को शासकों और अधिकारियों के अधीन रहने, अवज्ञाकारी होने, जो कुछ भी अच्छा है उसे करने के लिए तैयार रहने की याद दिलाओ। और वहाँ के यूनानी जोशीले हैं, और हर अच्छे काम के लिये तैयार हैं। और फिर वह उदाहरण देते हैं।

किसी की निंदा न करने के लिए, जब आपके पास कहने के लिए कुछ अच्छा या सच न हो तो अपनी जुबान पर काबू रखना अच्छी बात है। शांतिप्रिय होना अच्छी बात है, विचारशील होना अच्छी बात है, और सदैव सबके प्रति नम्र रहना अच्छी बात है। अब, एक और अनुवाद है जो मुझे लगता है कि मैं यहां पसंद करूंगा, जो सभी लोगों के लिए हर विचार का होना है।

और मुझे लगता है कि वह यहाँ जो कह रहा है वह अन्य लोगों को ढीला करने के लिए है। हर किसी के प्रति हमेशा नम्र रहना, सिर्फ शब्दों से जरूरी नहीं है। और, मेरा मतलब है, यह गलत अनुवाद नहीं है, लेकिन यह एक प्रतिपादन है जो मुझे नहीं लगता, मुझे लगता है कि यह भ्रामक है।

मुझे लगता है कि यह सुझाव देता है कि किसी को भी मजबूत या दबंग व्यक्तित्व नहीं रखना चाहिए। कुछ लोग ऐसे होते हैं कि आप उन्हें सज्जन नहीं समझते। और ईसाई होने के लिए आपको नम्र होने की ज़रूरत नहीं है।

आप स्वयं बन सकते हैं और ईसाई बन सकते हैं। लेकिन एक अक्खड़ और अहंकारी और दबंग तरीका है जो सिर्फ इंसान होने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए एक सभ्य इंसान बनें, और ढीठ, अहंकारी और दबंग न बनें।

और जहां तक अन्य लोगों के प्रति आपके सम्मान की बात है, पॉल इसी से बचने की कोशिश कर रहा है, वह सिंड्रोम जो मुझे लगता है कि हम सभी समाजों में देखते हैं, जहां हमें ऐसे लोग मिलते हैं जो दूसरों को नापसंद करते हैं। यह नस्लवाद के रूप में सामने आ सकता है, या यह वर्ग श्रेष्ठता के रूप में सामने आ सकता है, या यह शैक्षणिक मतभेद के रूप में सामने आ सकता है। हो सकता है कि आपके पास कम शिक्षा हो, इसलिए आप अभिजात वर्ग पर व्यंग्य करते हों, या हो सकता है कि आप बहुत, बहुत होशियार हों, और आप एक बेहतर ग्रह का निर्माण कर रहे हों, और आप इन सभी लोगों से नफरत करते हों, जो पर्यावरण के साथ नहीं रहना चाहते विवेक वगैरह जो आपके पास है।

वह यही कह रहा है। उस तरह का व्यक्ति न बनें जो दूसरे लोगों को नीचा दिखाता है, क्योंकि वे आपके जैसे नहीं हैं। और यही कारण है।

वह कहते हैं, हम बेहतर नहीं थे। एक समय में, श्लोक तीन में, हम भी मूर्ख, अवज्ञाकारी, धोखेबाज और सभी प्रकार के जुनून और सुखों के गुलाम थे। यही मानवीय स्थिति है।

इसका कोई अपवाद नहीं है। हर कोई ऐसा ही है। यह बस अलग-अलग रूप लेता है।

हम द्वेष और ईर्ष्या में रहते थे, नफरत करते थे, और एक दूसरे से नफरत करते थे। अब, पॉल विशेष रूप से यह कह सकता है, क्योंकि रोमन साम्राज्य में अल्पसंख्यक आबादी के रूप में, मेरा मतलब है, यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर सच है, मैं यह अनुमान लगाने जा रहा हूँ कि जिस दिन टार्सस के शाऊल ने सुना था स्तिफनुस की गवाही, और यह कहती है कि, उन्होंने उस पर अपने दाँत पीस लिए, और उन्होंने उसे पत्थर मारकर मार डाला, मैं अनुमान लगा रहा हूँ कि टार्सस के शाऊल को वहाँ कुछ घृणा महसूस हुई, और वह एक देशवासी की ओर, और शायद किसी ऐसे व्यक्ति की ओर निर्देशित थी वह व्यक्तिगत रूप से जानता था। तो यह एक स्तर है।

लेकिन रोमन साम्राज्य में यहूदी तिरस्कृत अल्पसंख्यक थे। और यदि आप जोसीफस नाम के किसी व्यक्ति के लेखन को पढ़ते हैं, तो वह कई बार यहूदियों के प्रति रोमन सेना के मन में जो तिरस्कार था, उसके बारे में लिखता है, और कैसे उन्होंने यहूदियों का अपमान किया और उनका मज़ाक उड़ाया, और, उनकी पवित्र चीज़ों को अपवित्र किया, और उनका मज़ाक उड़ाया। भगवान, और वे मूर्तिपूजक थे, वे बहुदेववादी थे, और, यहूदियों और अन्यजातियों, यहूदियों और रोमनों के बीच मतभेद था। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा हम आज इज़राइल में इज़राइलियों और फ़िलिस्तीनियों के बीच गहरी, गहरी शत्रुता को देखते हैं।

और पॉल कहते हैं कि हम सभी एक ऐसी दुनिया में बड़े हुए हैं जहाँ यह जीवन का एक सामान्य हिस्सा है। यह जीवन का अच्छा हिस्सा नहीं है, लेकिन आप दुनिया में कहीं भी नहीं जा सकते हैं, और वहाँ बहुत सारे लोगों से मिल सकते हैं, जहाँ आपको पता नहीं चलेगा कि ये लोग क्या हैं, ये लोग किससे नफरत करते हैं। क्योंकि समय में पीछे जाने पर, लोगों ने एक-दूसरे को नाराज किया है, और वे इन पूर्वाग्रहों को लेकर चलते हैं।

श्लोक 4, लेकिन, दूसरी दिशा में जाओ, जब हमारे उद्धारकर्ता भगवान की दया और प्रेम प्रकट हुआ, तो उसने हमें बचाया, हमारे द्वारा किए गए धार्मिक कार्यों के कारण नहीं, और मुझे वहाँ यूनानी मिला है, हमारे द्वारा किए गए कार्यों के कारण नहीं धार्मिकता। धार्मिकता के कारण नहीं, कर्मों के कारण नहीं, अर्थात् धर्म के अनुसार काम करना। तो, अनुवाद हमारे द्वारा किए गए धार्मिक कार्यों के कारण नहीं है, यह एक बुरा अनुवाद नहीं है, बल्कि यह धार्मिकता में किए गए कार्यों के कारण नहीं है, बल्कि उसकी दया के कारण है।

मैं बस आपके लिए यह देखना चाहता था कि वहाँ काम करता है शब्द, क्योंकि चीज़ें यह स्पष्ट नहीं करती हैं कि वह इस शब्द का उपयोग कर रहा है, जो कि टाइटस में भरा हुआ शब्द है। उसने हमें पुनर्जन्म की धुलाई और पवित्र आत्मा द्वारा नवीनीकरण के माध्यम से बचाया। याद रखें यीशु ने कहा था, तुम्हें दोबारा जन्म लेना होगा, और यह ईश्वर के वचन द्वारा आध्यात्मिक परिवर्तन का एक रूपक है, दोबारा जन्म लेना।

और यह एक रूपक है जो हमें बपतिस्मा के बारे में सोचने पर मजबूर करता है, लेकिन बपतिस्मा सिर्फ एक संकेत, एक प्रतीक और भगवान के आध्यात्मिक कार्य की मुहर है जिसके माध्यम से

लोगों का पुनर्जन्म होता है, या जिसके माध्यम से उन्हें शुद्ध किया जाता है, पुनर्जन्म की धुलाई, और पवित्र आत्मा द्वारा नवीनीकरण, जिसे उसने हम पर उदारतापूर्वक उंडेला, हम अपने उद्धारकर्ता यीशु मसीह के माध्यम से, उसमें वापस आएँगे। ताकि, उसकी कृपा से न्यायसंगत होने के बाद, वह अनुग्रह शब्द फिर से हो, हम अनन्त जीवन की आशा रखने वाले उत्तराधिकारी बन सकें। जब भी पॉल, एक यहूदी, जब वह वारिस शब्द का उपयोग करता है, तो वह उस इब्राहीम विरासत के बारे में सोचता है, मुझे लगता है कि वह उस वादे के बारे में भी सोच रहा है जो भगवान ने उत्पत्ति 3:15 में आदम और हव्वा से किया था, कि साँप का सिर कुचल दिया जाएगा, और स्त्री के वंश से परमेश्वर की मुक्ति प्राप्त प्रजा और मुक्ति प्राप्त सृष्टि होगी।

यह एक अद्भुत विरासत है, और पवित्र आत्मा ने इसे मसीह के माध्यम से उंडेला ताकि, हम, हम यहूदी, हम गैर-यहूदी, हम क्रेटन, हम रोमन, हम सब, उसकी कृपा से न्यायसंगत होकर, मसीह के शरीर की एकता, ताकि हम अनन्त जीवन का आश्वासन पाकर, अनन्त जीवन की आशा रखते हुए, परमेश्वर के कार्य और परमेश्वर की प्रतिज्ञा के उत्तराधिकारी बन सकें। और मैं सिर्फ टिप्पणी करना चाहता हूँ, शाश्वत जीवन, हम स्वाभाविक रूप से स्वर्ग के बारे में सोचते हैं, लेकिन मसीह पहले ही उठ चुके हैं, आने वाला युग पहले से ही मौजूद है, इसलिए हमेशा याद रखें कि शाश्वत जीवन अब जीवन का एक गुण है। यह अस्थायी रूप से प्रकट होने वाला है, इसकी सीमा अनंत है, इसलिए यह भविष्य में उस अर्थ में शाश्वत है।

लेकिन यह पहले से ही मौजूद है, और यह पहले से ही उस जीवन की गुणवत्ता को दर्शाता है जिसे हम पहले से ही जी रहे हैं। और मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि यह विरासत का हिस्सा है, और विशेष रूप से यदि आप व्यवस्थाविवरण पर वापस जाते हैं, और आप व्यवस्थाविवरण में जीवन के उपयोग का अध्ययन करते हैं, तो इज़राइल के लिए कई, कई आशीर्वाद हैं, और वह कहते हैं, ये चीजें करें और आप करेंगे रहना। और बहुत से वादे हैं, और आकर्षण जीने का है, और वे पहले से ही जी रहे थे, और कनानी जी रहे थे, और हर कोई जी रहा था जो जीवित था।

लेकिन मुझे लगता है कि वह उन्हें अपने साथ अनुबंध में जीवन के एक आयाम के लिए बुला रहा है, जीवन का एक आयाम जिसे मूसा ने आपके दिलों का खतना होने के रूप में वर्णित किया है, जीवन का एक आयाम जिसमें उन्होंने प्रभु अपने ईश्वर से प्रेम किया, जो दुर्भाग्य से अक्सर उन्होंने नहीं किया। उनके पास आदेश था, लेकिन उन्होंने अपना हृदय नहीं बदला, ऐसा कहा जा सकता है। उन्होंने अपने हृदय कठोर कर लिये।

जिस पीढ़ी से मूसा ने इतनी बातें की, वे सब जंगल में मर गए। उनके पास ये सारे वादे और ये सारे आश्वासन थे, लेकिन वे जीवित नहीं रहे। वे मर गया।

उनके पास अनन्त जीवन नहीं था, क्योंकि उन्होंने परमेश्वर को अपने हृदयों में आने की अनुमति नहीं दी। मूसा ने किया, यहोशू ने किया, कालेब ने किया, और कुछ ने किया, लेकिन कुल मिलाकर, उन्होंने परमेश्वर के वचन का विरोध किया, और इसलिए वे जीवन की इस गुणवत्ता, परमेश्वर के अपने लोगों के साथ रहने की इस गुणवत्ता की आशा रखते हुए वारिस नहीं बने। जैसा उसने तब होने का वादा किया था और जैसा वह अब और भविष्य में होने का वादा करता है।

अब, जो कुछ भी मैंने अभी कहा है, पॉल उसका सारांश देता है, श्लोक 8, यह एक भरोसेमंद कहावत है।

अब, यहां से आगे बढ़ते हुए, मैं चाहता हूं कि तू इन बातों पर जोर दे, तीतुस, ताकि जो लोग परमेश्वर पर भरोसा रखते हैं, वे अच्छे कामों में अपने आप को समर्पित करने में सावधान रहें। ये चीजें सभी के लिए उत्तम और लाभदायक हैं। तो, आप इस गौरवशाली धर्मशास्त्रीय दृष्टि से यह बहुत ही सीधा कदम देखते हैं, जो वास्तव में व्यावहारिक रूप से पूरी बाइबल को शामिल करता है, पुनर्जन्म की धुलाई, और नवीनीकरण, और उंडेला जाना, और अनुग्रह द्वारा औचित्य, वारिस, की आशा अनन्त जीवन।

इन बातों पर जोर दें ताकि जिन लोगों ने ईश्वर पर भरोसा किया है वे उन्हें सीधे अच्छे कार्यों में बदल दें। मेरा मतलब है, यह सब कुछ नहीं है, फूलदार, उदात्त धार्मिक दृष्टि, और फिर, कई दिनों के बाद, मुझे कुछ करने की ज़रूरत है। ऐसा लगता है, यह मुख्यधारा की, सीधी बात है कि यह हमारे व्यवहार में परिवर्तन लाती है, और यह बिल्कुल स्वाभाविक भी है।

यह बिल्कुल स्वाभाविक है. कभी-कभी बच्चे के पालन-पोषण में चीजें ऊपर-नीचे होती रहती हैं, लेकिन कई बार चीजें वास्तव में अच्छी चल रही होती हैं, और, अच्छा तालमेल होता है, और अच्छी केमिस्ट्री होती है, और बच्चे अपने माता-पिता के साथ रिश्ते से आगे बढ़ सकते हैं, और वे ऐसा कर सकते हैं। उन कार्यों में आगे बढ़ें जो उस रिश्ते को अभिव्यक्त करते हैं। वे अपने माता-पिता के प्रति अपने प्यार को पहचानते हैं, और वे देखते हैं कि उनके माता-पिता ने उन्हें प्रदान किया है, और उनके माता-पिता उनसे प्यार करते हैं, और शायद यह एक व्यस्त घर है, और उस दिन करने के लिए बहुत कुछ है, और, कभी-कभी बच्चे देरी कर सकते हैं।

वे कुछ भी नहीं करना चाहते हैं, लेकिन कभी-कभी बच्चे वास्तव में आपसे आगे निकल सकते हैं और आपको आश्चर्यचकित कर सकते हैं कि समय की आवश्यकता के बारे में उनकी समझ कितनी परिष्कृत है और उन्हें जो करने की आवश्यकता है उसे करने के लिए काम करने की उनकी इच्छा कितनी है। उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह बस रिश्ते से विकसित होता है, और पॉल, इसी तरह वह जीता है। वह ईश्वर के साथ एक रिश्ते में रहता है जिसमें उसने ईश्वर के सेवक और यीशु मसीह के दूत के रूप में जीवन जीने का आनंद सीखा है, और यही वह चाहता है कि सुसमाचार टाइम्स के माध्यम से वृद्ध पुरुषों और वृद्ध महिलाओं तक पहुंचे। , और युवा महिलाएं, और युवा पुरुष।

वह चाहता है कि लोगों को मसीह के क्रूस, और मसीह के पुनरुत्थान, और नए जन्म, और मसीह में नए जीवन से यह सीधी रेखा मिले कि वे कैसे अपना जीवन बहुत विशेष तरीकों से जीते हैं। अब, एक बार जब आपको इसकी आदत हो जाती है, तो आपको हर समय कोई यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि अच्छा काम क्या है, क्योंकि यह आदत बन जाता है, और, आपका जीवन सेवा के कार्यों से भरा होता है, लेकिन क्रेते स्पष्ट रूप से थे, जैसा कि पॉल टाइम्स लिखता है, वह एक नई ईसाई स्थिति को संबोधित कर रहा है, और याद रखें, किसी भी मामले में, हमारे पास ईसाई विरासत जैसी कोई चीज़ नहीं है। चर्च एक नई चीज़ है, और याद रखें, और मैंने इनमें से किसी भी व्याख्यान में यह नहीं कहा है, हमारे लिए यह याद रखना बहुत महत्वपूर्ण है, कि आपके पास यह

ग्रीको-रोमन दुनिया बहुत प्राचीन विरासत के साथ है, जितना वे जानते थे उससे भी अधिक प्राचीन।

मेरा मतलब है, वे सभी जानते थे, हम नहीं जानते, लेकिन कई सदियों पहले, लेकिन, उन्होंने चीजों को एक निश्चित तरीके से किया, और सांस्कृतिक हवा में, यह धर्म से भरा हुआ था। रोमन सम्राट रोमन नागरिक धर्म का सर्वोच्च पुजारी भी था, और इसलिए धर्म, और पूजा, और मंदिर, और देवी-देवता, हर कोई, इस प्रकार की चीजों की पुष्टि करता था, लेकिन इनमें से किसी भी धर्म में नैतिकता धर्म से जुड़ी नहीं थी। मेरा मतलब है, वह संबंध नहीं बनाया गया था, बड़े पैमाने पर क्योंकि इनमें से किसी भी धर्म में ऐसे धर्मग्रंथ शामिल नहीं थे जिनमें मार्गदर्शन था।

उनके पास दार्शनिक थे जो सोचते थे कि आपको कैसे जीना चाहिए, और विचार के स्कूल थे कि हम यहां क्यों हैं, और क्या हमें आनंद के लिए जीना चाहिए, क्या हमें हर चीज के पीछे किसी शक्ति की तरह पुष्टि करनी चाहिए, क्या हमें उत्सव में रहना चाहिए जैसे, क्या हमें जीना चाहिए, मुख्य रूप से बेहतर फसलों के लिए इन देवताओं को प्रसन्न करने की कोशिश करते हुए, आप सभी प्रकार के निष्कर्ष निकाल सकते थे, लेकिन देवताओं से कोई मार्गदर्शन नहीं था, और धार्मिक होना नैतिक होने से जुड़ा नहीं था। वे संबंध नहीं बने थे, और यही कारण है कि इतिहासकार हमें बताते हैं कि क्यों इतने सारे लोग यहूदी धर्म की ओर आकर्षित हुए, विशेषकर महिलाएं। महिलाएँ यहूदी धर्म की ओर आकर्षित हुईं क्योंकि आराधनालय में महिलाओं को सम्मान दिया जाता था।

भले ही महिलाओं को पुरुषों से अलग बैठना पड़ता था, लेकिन जो धर्मग्रंथ पढ़े जाते थे, वे विवाह को पवित्र मानते थे और बाइबल में महिलाओं को केवल पुरुषों के उपयोग के लिए एक उपकरण के रूप में नहीं माना जाता था। नर और मादा ने उन्हें बनाया। वे सृष्टि में ईश्वर के अच्छे इरादे का हिस्सा थे, और फिर एक नैतिकता थी जो महिलाओं की सुरक्षा करती थी।

माना जाता है कि पुरुषों को व्यभिचार और पाप नहीं करना चाहिए, यौन पाप दोनों पक्षों द्वारा पाप है, लेकिन अक्सर तब और अब की महिलाएं पुरुष शिकार का शिकार होती हैं, और यहूदी समुदाय में यौन रूप से महिलाओं के लिए सुरक्षा थी। वह धर्म का हिस्सा था, और इसलिए आपके पास दस आज्ञाएँ और दर्जनों अन्य आज्ञाएँ हैं जो एक नैतिकता निर्धारित करती हैं, जिसे भगवान के चरित्र को प्रतिबिंबित करना चाहिए था। क्योंकि ईश्वर कौन है, इस तरह आप इस ईश्वर के साथ अनुबंध में रहते हैं।

आप ये काम करते हैं, आप ये काम नहीं करते हैं, और अब्राहीम की दुनिया में और मूसा की दुनिया में इसकी आवश्यकता थी। यह भ्रष्टाचार की दुनिया थी, और पाप की दुनिया थी, और शोषण की दुनिया थी, और गुलामी की दुनिया थी, बलात्कार की दुनिया थी, अपहरण की दुनिया थी, जिनके पास है और जिनके पास नहीं है, उनके उत्पीड़न की दुनिया थी . यह स्टेरॉयड पर वाइल्ड वेस्ट, और टोरा और ओल्ड टेस्टामेंट और भगवान के लोग थे, जो एक अराजक दुनिया में लोगों के लिए आश्रय था।

खैर, आप ग्रीको-रोमन दुनिया में पहुंचें, और ग्रीको-रोमन देवी-देवताओं और धर्मों ने नैतिक मार्गदर्शन नहीं दिया। नैतिकता की भावना थी क्योंकि लोग भगवान की छवि में बने होते हैं, और सामान्य अनुग्रह से, लोग जानते हैं, लोगों की हत्या करना कोई बड़ी बात नहीं है, और उनके पास कई चीजों के खिलाफ कानून थे जिनसे हम बाइबल से सहमत होंगे। रोमन साम्राज्य में चोरी करना अच्छा नहीं था, लेकिन वे इसे धर्म से नहीं जोड़ते थे।

लेकिन यहां हमारे पास क्रेते है, जो बहुत ग्रीको-रोमन है और इसकी प्रतिष्ठा थी, क्रेते लोगों को झूठे होने की प्रतिष्ठा थी, और, क्रेटन से मुंह मत मोड़ो। यह एक ऐसा धर्म है जो आपके व्यवहार में बदलाव की मांग करता है और बहुत से लोगों के लिए यह एक क्रांति की तरह होगा। आपका मतलब है कि अब मैं जो कुछ भी करता हूं वह ईश्वर और ईश्वर के वचन और मसीह की उपस्थिति से प्रेरित माना जाता है, और यह हृदय परिवर्तन जो मैंने किया है, उसे मेरे सभी संबंधों, मेरे सभी व्यापारिक व्यवहारों में व्यक्त करने की आवश्यकता है, मेरे जीवनसाथी के साथ मेरा व्यवहार, मेरे बच्चों के साथ मेरा व्यवहार, मेरा निजी जीवन।

मेरा मतलब है, व्यापक रूप से कार्यान्वयन शुरू करने के लिए यह एक बहु-वर्षीय परियोजना की तरह है। और वास्तव में, हममें से बहुत से लोग ठीक-ठीक जानते हैं कि यह कैसा दिखता है क्योंकि हम बहुत ही बुतपरस्त तरीकों से बड़े हुए हैं, चाहे हम चर्च गए हों या नहीं। परमेश्वर के वचन की शिक्षा की समग्रता और परमेश्वर के साथ एक रिश्ते से बहुत गहराई से बंधा हुआ नहीं होना आसान है जो आपको आध्यात्मिक रूप से उत्पादक जीवन की ओर अधिक से अधिक आकर्षित करता है।

यह बहुत आसान है, यहां तक कि एक वैध ईसाई अनुभव प्राप्त करना और बचाया जाना, और इसके लिए यह बहुत व्यापक नहीं होना चाहिए, और बहुत गहराई तक नहीं जाना चाहिए, और आपको मात्रात्मक तरीकों से बहुत शक्तिशाली रूप से प्रेरित नहीं करना चाहिए। जब मैं नौ साल का था तब मुझे विश्वास आया और जब मैं किशोर था तो इसने मुझे बहुत सारे विनाश से बचाया, लेकिन जब तक मैं 20 साल का नहीं हो गया, तब तक इसने वास्तव में मुझे विवर्तनिक रूप से प्रभावित नहीं किया। यह एक सुप्त बात थी, और यह बहुत से लोगों के साथ होता है, कि वे सुसमाचार की दिशा में एक कदम उठाते हैं, और वे इसे प्राप्त भी कर सकते हैं, लेकिन यह कुछ समय के लिए सुप्त पड़ा रहता है, और फिर धीरे-धीरे उन्हें इसका पता चलता है, वाह, मेरे जीवन में बहुत सारे ऐसे क्षेत्र हैं जो वास्तव में मसीह के प्रभुत्व के अधीन नहीं हैं, और फिर आप सोचते हैं कि आप प्रगति कर रहे हैं, फिर अचानक, जैसे कि बिल्कुल नए रास्ते खुल जाते हैं, और जैसा कि मेरे साथ है मामले में, कभी-कभी आपको यह भी लगता है कि मुझे जीवन में बदलाव लाने की जरूरत है।

मैं लॉगिंग दिशा में जा रहा था, मैं शिकार दिशा में जा रहा था, मैं लंबी पैदल यात्रा और उत्तरी चट्टानी मनोरंजक जीवन दिशा में जा रहा था, और मेरी कॉलिंग ने कहा कि आपको एक अलग दिशा में जाना होगा। इसमें बहुत सारे अच्छे काम हुए। अपना घर बेचना, यह अच्छी बात है, क्योंकि मुझे यह परमेश्वर की आज्ञाकारिता के कारण करना पड़ा।

मुझे अपनी संपत्ति बेचनी पड़ी और स्कूल जाने के लिए देश के दूसरे हिस्से में जाना पड़ा, और फिर मुझे स्कूल जाने के लिए विदेश जाना पड़ा, और मैं उस समय नहीं कह रहा हूँ, मैं कहता हूँ, ठीक है, मैं जा रहा हूँ इसे एक अच्छे काम के रूप में करने के लिए, यह वही था जो मुझे करना था, लेकिन अच्छे कार्यों का यही मतलब है, और जब आप क्रेटन जैसे गहरे बकाया में शुरू कर रहे थे, तो वे एक ऐसी संस्कृति में रह रहे थे जहां लगभग कुछ भी नहीं किया गया था इसे एक अच्छा काम कहा जा सकता है, और वास्तव में, यह उल्टा था। जो चीज़ें वास्तव में अच्छी हैं, उनका संभवतः विरोध किया गया था, और जिस चीज़ का समर्थन किया गया था, वह कुछ प्रकार की संदिग्ध विशिष्ट चीज़ें थीं, जैसे कि हमारी संस्कृतियाँ हैं जो वास्तव में नशीली दवाओं का उपयोग करना पसंद करती हैं, यह अच्छी बात है, और सीधे रहना अच्छी बात नहीं है। यह अच्छा है, कुछ हद तक उग्र और शायद हद से ज़्यादा, यहां तक कि अवैध भी, यह अच्छा है।

हम यहां इसी तरह काम करते हैं। वह क्रेते था. जंगली और पागल।

अच्छे कार्य क्रांतिकारी होते हैं, लेकिन सुसमाचार तुरंत जीवन में बदलाव लाता है, जिसमें अगर हम उस तरह की सेटिंग में रह रहे हैं, तो अचानक हम पाते हैं कि हमें एक अलग दिशा में ले जाया जा रहा है। अचानक हमारा विवेक उन चीज़ों के प्रति जागरूक हो जाता है जो हर कोई कर रहा है, और हम उन चीज़ों का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं। मुझे याद है जब मैं लॉगिंग कर रहा था, मेरी पहली बहुत अच्छी नौकरियों में से एक, यह एक बड़ी कंपनी के लिए थी, मुझे लगता है कि इसे तब यूएस प्लाइवुड कहा जाता था, और फिर यह चैंपियन इंटरनेशनल बन गया, और यह सर्दी थी, और यह बहुत था ठंड थी, और हम बाहर काम कर रहे थे, लेकिन हमारे पास वह था जिसे क्रमी कहा जाता था, और क्रमी एक बड़ी क्रू बस की तरह थी, और यदि आप क्रमी के इतने करीब काम कर रहे थे कि जब आप आरी चलाना बंद कर दें तो चलने के लिए बहुत दूर नहीं था, क्योंकि हम हर जगह फैले हुए थे, क्योंकि आप लकड़ी को एक-दूसरे के करीब नहीं गिरा सकते, आप एक-दूसरे को मार डालेंगे, लेकिन लोग बस में चढ़ेंगे और अपना दोपहर का भोजन करेंगे, क्योंकि हमारे पास हीटर चालू था, और लोग पॉल हार्वे नामक एक रेडियो उद्घोषक को सुनते थे, और अपना दोपहर का भोजन खाते थे, और अधिकांश लोग तब सिगरेट पीते थे, लेकिन लोग बात करते थे, और यह बहुत अपवित्र बात होती थी।

लोग खूब गालियाँ देते थे और कभी-कभी लोग ऐसे चुटकुले सुनाते थे जो बहुत अच्छे चुटकुले नहीं होते थे। यह पुरुषों का एक समूह है, और एक आदमी था जो हमेशा बाहर बैठा रहता था, और एक दिन हम वहां थे, और वह बाहर बर्फ में बैठा अपना दोपहर का खाना खा रहा था, और मैं सोच रहा था, यह 10 डिग्री है, और बर्फ ऊपर है आपकी कमर तक, और जॉन वहाँ ठंड में है, वह बस में क्यों नहीं आता, और बाद में मुझे पता चला कि वह एक ईसाई था, और उसने कहा, मेरी आत्मा के लिए वहाँ रहना अच्छा नहीं है, भाषा के कारण, और उस समय मैं उस पर हँसा। मैं अपने ईसाई जीवन में इतना आगे नहीं था, और मुझे कसम खाने की बहुत आदत थी क्योंकि मैं इसके आसपास बड़ा हुआ था, लेकिन यह किसी ऐसे व्यक्ति का उदाहरण था जो दोषी महसूस करता था।

मुझे दोषी महसूस करना चाहिए था, मैंने नहीं किया, लेकिन उसे उस भाषा से दोषी महसूस हुआ, और साथ ही, उसे लोगों द्वारा उसकी ईसाई धर्म की निंदा करने पर कोई आपत्ति नहीं थी, क्योंकि

वह एक गवाह बनना चाहता था, और वह अन्य लोगों के लिए एक गवाह था, और वे इसके लिए उस पर हँसे, लेकिन वह एक अच्छा काम था जिसे उसने महसूस किया कि उसे भगवान के साथ अपने रिश्ते की खातिर करने की ज़रूरत है, और इसी तरह की चीज़ से हम यहाँ निपट रहे हैं। ये सब के लिये उत्तम और लाभदायक हैं, परन्तु मूर्खतापूर्ण विवादों, और वंशावली, और व्यवस्था के विषय में वाद-विवाद, और झगड़ों से दूर रहो। यदि आप इसे पहले टाइटस में खतने वाले समूह से जोड़ते हैं, तो यह फिर से एक संकेत है कि हम शायद यहूदी प्रभाव के बारे में बात कर रहे हैं।

विवादों से बचें, क्योंकि वे अलाभकारी और बेकार हैं। अब क्या होता है, आप सकारात्मक होने की कोशिश कर रहे हैं, आप सुसमाचार प्रचार करने की कोशिश कर रहे हैं, आप विभिन्न आयु समूहों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं, आप मसीह की पुष्टि कर रहे हैं, आप हमारे लिए उनकी मृत्यु की पुष्टि कर रहे हैं, आप नए जीवन की पुष्टि करते समय, आप ईश्वर की कृपा की पुष्टि कर रहे हैं, लेकिन आपके पास एक विभाजनकारी व्यक्ति है। वह विभाजनकारी व्यक्ति को एक बार चेतावनी देने के लिए कहते हैं, और मुझे लगता है कि यहां मैथ्यू 18 में यीशु ने कहा था, यदि कोई आपके खिलाफ पाप करता है, तो अकेले में उनके पास जाएं, और यदि आप समझौता कर लेते हैं, तो बहुत अच्छी बात है।

फिर यदि वे तुम्हारी बात न मानें, तो दो या तीन लोगों को ले आओ, और यदि वे तुम्हारी बात न मानें, तो चर्च में ले जाओ और उस व्यक्ति को बहिष्कृत कर दो। पॉल यहाँ यही कर रहा है। फिर उन्हें दूसरी बार चेतावनी दें और यह मानकर कि वे आसपास नहीं आएंगे, उसके बाद उनसे कोई लेना-देना नहीं है।

अब यह बहुत संक्षिप्त है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि वह खूनी विवरण में जाना चाहता है, और मुझे लगता है कि शायद उसे इसकी आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि मुझे लगता है कि वह और टाइटस वर्षों से चर्च स्थितियों में एक साथ रहे थे, और वे देखा था कि यह कैसे काम करता है। लेकिन आप निश्चित हो सकते हैं कि ऐसे लोग विकृत और पापी हैं। वे आत्म-निंदा करते हैं।

यह बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसा नहीं है कि टाइटस उनकी निंदा कर रहा है। ऐसा नहीं है कि पॉल उनकी निंदा कर रहा है।

उन्होंने प्रेरितिक शिक्षा के अनुरूप नहीं होने का निर्णय लिया है, और आज भी, कभी-कभी हमारे पास चर्चों में मुद्दे होते हैं। हमारे पास अभी यह चल रहा है जहां लोग नई नैतिकता का प्रस्ताव दे रहे हैं, ऐसी चीजें जो लोग सोचते थे कि बाइबिल में कहा गया है वह गलत है, और अब लोग कहना चाहते हैं, ठीक है, हम समावेशी होना चाहते हैं। और यदि आप समावेशी नहीं हैं, तो आप पर आलोचनात्मक होने और लोगों की निंदा करने का आरोप लगाया जाएगा।

परन्तु पौलुस तीतुस से कह रहा है, लोगों को ऐसी टाल-मटोल की चाल मत चलने दो। वे स्वयं की निंदा कर रहे हैं। परमेश्वर का वचन नहीं बदला है।

यदि हम निर्णय लेते हैं कि भगवान के नाम पर वह करना ठीक है जो भगवान कहते हैं कि आपको नहीं करना चाहिए, तो आप स्वयं की निंदा कर रहे हैं। जो लोग बताते हैं, देखिए, आप कह रहे हैं कि हम यह कर सकते हैं। परमेश्वर का वचन कहता है कि यह घृणित काम है।

वे नहीं कह सकते, वे कहेंगे, लेकिन वे ईमानदारी और वैध तरीके से यह नहीं कह सकते कि आप हमारी निंदा कर रहे हैं। नहीं, उन्होंने स्वयं की निंदा की है, और हम केवल उस विरासत का सम्मान कर रहे हैं जो भगवान ने अपने लोगों को दी है। ईश्वर ने अपने लोगों को कई मायनों में विरासत दी है, लेकिन चूंकि मैं यौन सम्मान का उपयोग कर रहा हूँ, इसलिए उसने हमें विषमलैंगिक एकपत्नीत्व की विरासत दी है।

यह बहुत अच्छी बात है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। इब्रानियों 13 कहता है कि विवाह शय्या का सभी को सम्मान करना चाहिए। और ईसाई विरासत में होने का यही मतलब है।

और टाइम्स के समय में वापस जाकर हम उस विरासत को बदलना चाहते हैं। हम ठीक से नहीं जानते कि वे क्या करने जा रहे थे। क्या वे यीशु के मसीहा बनने के पीछे जा रहे थे? क्या वे कुछ में नैतिकता के पीछे जा रहे थे? मेरा मतलब है, यह बताना असंभव है क्योंकि ऐसी बहुत सी संभावनाएँ थीं जो आराधनालय और यहूदियों के बीच आम तौर पर रेंगती थीं जो यीशु को मसीहा के रूप में स्वीकार नहीं करते थे, और फिर बुतपरस्त दुनिया की नैतिकता दयनीय स्थिति में थी।

हम नहीं जानते कि ये लोग किस प्रकार के विषाक्त मिश्रण हैं जिन्होंने पॉल का विरोध किया और टाइम्स का विरोध किया और विरोध किया। उन्हें चेतावनी देने की जरूरत थी। उन्हें ठीक करने की जरूरत थी।

उन्हें डांटना जरूरी था। हम नहीं जानते कि इसका सटीक रूप क्या था, लेकिन यह एक तरह का आशीर्वाद है क्योंकि अगर हमें सटीक रूप पता होता, तो हम इसे सिर्फ एक चीज़ तक सीमित कर सकते थे, लेकिन हम ऐसा नहीं कर सकते। तो, यह वास्तव में यहाँ एक सर्वव्यापी बिल की तरह है।

जो कुछ भी है वह एक व्यक्ति को भगवान के लोगों के लिए भगवान की इच्छा से अलग कर रहा है यदि कोई व्यक्ति इस पर कायम रहता है, तो उन्हें दूसरी बार चेतावनी दें, और फिर उसके बाद, हम कह सकते हैं कि वे अब चर्च के संवादी सदस्य नहीं हैं। जब वे ईसाई होने के लिए मूलभूत बातों का उल्लंघन करना जारी रखते हैं तो ऐसा व्यवहार न करें जैसे वे ईसाई हैं। अब फिर, मैं इस बारे में बात नहीं कर रहा हूँ कि वे जींस पहन रहे हैं और आपको चर्च में जींस नहीं पहननी चाहिए।

हम उन चीजों के बारे में बात कर रहे हैं जो ईसाई विश्वास या अभ्यास पर केंद्रीय हमले हैं। वह कहता है कि ये अद्भुत चीजें हम पर उंडेली गई हैं, और उंडेले जाने की वह क्रिया जोएल में प्रकट होती है, जिसे पेंटेकोस्ट में उद्धृत किया गया है। परमेश्वर के लोगों पर आत्मा उंडेली जाती है।

यह एक भव्य बहिर्वाह है, और क्रियाविशेषण उदारतापूर्वक या प्रचुरता से प्रचुरता की तस्वीर को बढ़ाता है। पॉल पवित्र आत्मा की एक समृद्ध धारा की कल्पना करता है जो व्यक्तियों पर आती है, शरीर पर आती है, और वह उसी छवि का उपयोग एक समान शब्द के साथ करता है जब वह कहता है कि रोमियों 5:5 में पवित्र आत्मा हमारे दिलों में डाला जाता है। विश्व चर्च में करिश्माई प्रभाव के युग में, विचार यहाँ आध्यात्मिक अनुभव की भावनात्मक वृद्धि की ओर मुड़ सकते हैं, और यह आंशिक रूप से सच हो सकता है। पहली शताब्दी के संदर्भ में, हम लोगों की भावनात्मक स्थिति को नहीं जानते हैं, लेकिन संभवतः इसका एक हिस्सा ऐतिहासिक रूप से शत्रुतापूर्ण दिलों के उत्साह का संदर्भ है जो मसीह के नाम पर पारस्परिक सम्मान, दान और संयुक्त सेवा की खुशी पा रहे हैं।

मैं यहां एक-दूसरे को स्वीकार करने और अरब ईसाइयों और सताए गए सूडानी लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पूजा करने के बारे में सोचता हूँ, जो मैंने तब देखा था जब मैं सूडान में था। ऐसे भी लोग थे जो इस्लाम से धर्मान्तरित होकर ईसाई बन गए, और वे काले अफ्रीकियों के साथ पूजा करते थे जो समाज से बाहर थे, वे अरब मूल के लोगों से नफरत करते थे क्योंकि अरब मूल के लोगों ने उन्हें मार डाला था और सदियों तक उन्हें गुलाम बनाया था, और वे सांस्कृतिक रूप से काले लोगों को हेय दृष्टि से देखते थे। अफ्रीकी लोग क्योंकि वे सांस्कृतिक दृष्टिकोण से केवल गुलाम बनाए जाने वाले लोग थे, लेकिन ईसा मसीह में, ये लोग एक साथ आए, और आज हम मसीहाई यहूदियों और फ़िलिस्तीनियों को पा सकते हैं जो ईसा मसीह में संगति करते हैं, या हम संयुक्त राज्य अमेरिका में गोरे और काले लोगों को पाते हैं मसीह में भाइयों और बहनों के रूप में एक साथ काम करना, या हम रवांडा जैसे स्थानों में आदिवासी रेखाओं के पार ईसाई पाते हैं, जो लगभग 20, लगभग 30 साल पहले, दस लाख लोगों में से अधिकतर लोग आदिवासी संघर्ष के कारण मुख्य रूप से हथियार और भाले और अन्य चीजों से मारे गए थे। . मसीह उन लोगों को एक साथ लाता है जो अपने मूल राज्य में एक दूसरे को मारते हैं।

विश्वासी स्वयं को मसीह की उपचारकारी उपस्थिति की वास्तविकता से एकजुट पाते हैं। और मत भूलो, पॉल यहूदी है। टाइटस अन्यजाति है।

यहां तक कि उन दोनों का एक साथ काम करना भी नए क्रेटन ईसाइयों के संदर्भ में एक विरोधाभास होगा जो यहूदी नहीं हैं, वे यहूदी नहीं हैं, और वे देखते हैं कि पॉल वहां था, और अब वह लिख रहा है। यह एक यहूदी और गैर-यहूदी है, और मुझे यकीन है कि कुछ यहूदी ऐसे थे जिन्होंने चर्च में ईसाई धर्म अपना लिया था। यह आने वाले युग का सबसे बड़ा लक्षण है।

और मैं भावनात्मक खुशी की भावना से खुश हूँ, लेकिन मैंने भावनात्मक नस्लवादियों को देखा है, जो लोग यीशु के बारे में उत्साहित हो जाते हैं और अन्य लोगों के प्रति बहुत उदार नहीं होते हैं। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि उत्साह का सबसे बड़ा प्रतीक भावनात्मक होने की संभावना थी, हालांकि मुझे यकीन है कि उनके पास भरपूर प्रशंसा थी। मुझे लगता है कि भावना एक-दूसरे के प्रति सम्मान और इस मान्यता से बढ़ी कि हमारी दुनिया युद्ध में है, और हम शालोम लाने की अग्रिम पंक्ति में हैं।

और जब आप वास्तव में सांस्कृतिक सीमाओं से परे ईसाई धर्म में शामिल होते हैं, तो आप हमेशा इसके प्रति जागरूक रहते हैं। लेकिन आप भी हमेशा इस बात से अवगत रहते हैं कि भगवान कैसे पुलों का निर्माण कर रहे हैं। और दूसरे लोगों पर भरोसा करना कितनी अनमोल बात है जो एक जातीयता के हैं कि वे आपको पसंद नहीं करते हैं, लेकिन आपके पास एक बंधन, एक विश्वास और एक पारस्परिक स्वीकृति है।

और वे आप पर भरोसा करते हैं। और, उनके समूह के कुछ लोग उन्हें हेय दृष्टि से देखते हैं। आप उस आदमी पर भरोसा क्यों कर रहे हैं? वह अमेरिकी है या श्वेत है या जो भी हो।

और फिर अमेरिकी लोग, आप उन लोगों के साथ उस जगह क्यों जा रहे हैं? हम उन लोगों को पसंद नहीं करते. आप इन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते. इन लोगों आदि के आसपास रहना सुरक्षित नहीं है।

पॉल के लिए यही सबसे बड़ी बात थी। सुसमाचार की वास्तविकता. इफिसियों 2 पढ़ें और आप देखेंगे कि वह कहता है, वह हमारी शांति है जिसने दो व्यक्तियों को एक कर दिया।

और वह अन्यजातियों की दुनिया और यहूदी दुनिया की तुलना इंसानों से करता है। और उस ने कहा, मसीह में हमारा मेल हो गया है। और क्रॉस ने यही किया, प्रायश्चित का सामाजिक आयाम।

ऐतिहासिक शत्रुताएँ चाहे जो भी हों, विश्वासी स्वयं को ईश्वर की उपचारकारी उपस्थिति की वास्तविकता से एकजुट पाते हैं। चूँकि ईसा मसीह सामरियों के प्रति प्रेम से भरे हुए थे, ईसा यहूदी, गैलीलियन थे। वह सामरी लोगों से प्रेम करता था।

और वह यरूशलेम के प्रति प्रेम से भरा हुआ था। वह यरूशलेम पर रोया और इसने उसे मार डाला। उसने क्रूस पर चोर को माफ कर दिया।

उन्होंने उन लोगों के लिए माफ़ी मांगी जिन्होंने उन्हें सूली पर चढ़ाया था। पॉल ईसाइयों को मारने से लेकर ईसाई बनने तक चला गया। इन सभी उदाहरणों में, हम टाइटस और क्रेते के अन्य लोगों के लिए अन्य लोगों के प्रति उदासीनता, अन्य लोगों के प्रति घृणा और विभिन्न लोगों के प्रति घृणा की ओर बढ़ने की संभावना देखते हैं।

क्रेटन, अपने स्वयं के स्वीकारोक्ति के अनुसार, सुंदर थे, हमारे बहुत से व्यवहारों में काफी आपराधिक जैसे थे। बिल्कुल माफिया जैसे थे. वे सुसमाचार के उद्घोषणा की ओर बढ़ सकते हैं जो लोगों को मेल-मिलाप कराता है और लोगों को संगति और एक साथ काम करने की खुशी को समझने में मदद करता है और उनके जीवन को बेहतर बनाता है और उनके द्वारा किए गए विश्वास की स्वीकारोक्ति के कारण उनके द्वारा किए गए अच्छे कार्यों से अन्य लोगों के जीवन में सुधार होता है।

इससे अंतिम टिप्पणियाँ होती हैं। पॉल कहते हैं, जैसे ही मैं आर्टेमिस या टाइचिकस को हमारे पास भेजता हूँ, तो पॉल वहाँ कुछ कर रहा होता है, प्रचार कर रहा होता है, चर्च की योजना बना रहा होता है, यात्रा कर रहा होता है। वह अपने दो दल तीतुस के पास क्रेते पर भेजनेवाला है।

जैसे ही मैं ऐसा करता हूँ, आप निकोपोलिस में मेरे पास आने की पूरी कोशिश करते हैं क्योंकि मैंने वहाँ सर्दियों में रहने का फैसला किया है। और किसी कारण से, वह चाहता है कि टाइटस वहाँ रहे। एक बार जब आप पतझड़ के मौसम में आ गए, तो वे भूमध्य सागर में नाव से यात्रा नहीं करते थे क्योंकि यह बहुत खतरनाक था।

तूफान अप्रत्याशित थे और नावें समुद्र में चलने लायक नहीं थीं। ज़ेनोस वकील और अपोलोस को उनके रास्ते में मदद करने के लिए आप जो कुछ भी कर सकते हैं वह करें। जाहिर है, वे यात्रा कर रहे हैं और क्रेते में रुकेंगे।

देखें कि उनके पास वह सब कुछ है जो उन्हें चाहिए। उस समय मिशन इसी तरह से संचालित होते थे, लोग आते थे और वे आते थे और, वहाँ का चर्च, संग्रह करने का एक कारण चर्च के कार्यकर्ताओं को प्रावधान करना था, वे पैसे नहीं दे सकते थे या कॉल नहीं कर सकते थे फ़ोन या ऐसा कुछ। उन्हें, जैसे, दिखाना था और फिर उन्हें यह देखने के लिए हाथ में पैसे की ज़रूरत थी कि उनके पास वह सब कुछ है जो उन्हें चाहिए।

यह संक्षिप्त रूप है, उन्हें दे दो, उनकी नाव का टिकट खरीद लो या उन्हें वह पैसा दे दो जिसकी उन्हें ज़रूरत है, उन्हें खाना खिलाओ, उन्हें कपड़े पहनाओ, इत्यादि। हमारे लोगों को अच्छे कार्यों के प्रति स्वयं को समर्पित करना सीखना चाहिए। तो, यह आखिरी बात है जो वह कहता है।

क्रम में, और यह केवल अंतिम टिप्पणी कहता है। उद्घाटन को छोड़कर बाकी सभी शीर्षकों में काम था और उनमें अच्छाई थी, लेकिन आप यहाँ भी अच्छाई डाल सकते थे। अंतिम टिप्पणियाँ, अच्छे कार्य।

तात्कालिक ज़रूरतों को पूरा करने और अनुत्पादक जीवन न जीने के लिए। मेरे साथ के सभी लोग आपको शुभकामनाएँ भेजते हैं। उन लोगों को नमस्कार जो विश्वास में हमसे प्रेम करते हैं।

आप सभी पर कृपा बनी रहे। और निस्संदेह, आप सभी के साथ यह बहुवचन है। अब मैं उस अंतिम श्लोक पर टिप्पणी करना चाहता हूँ।

डिट्रिच बोनहोफ़र ने एक किताब लिखी, लाइफ़ टुगेदर, जो ईसाई अस्तित्व का वर्णन करती है। जेमिनसेम्स लेबेन, यह जर्मन में था। मसीह में ईश्वर के साथ जीवन, अन्य विश्वासियों के साथ जीवन, अपने परिवार के सदस्यों के साथ जीवन, ईश्वर के परिवार में दूसरों के साथ जीवन।

यीशु और उनके अनुयायियों के बीच सामुदायिक आयाम मजबूत था। वे एक समूह थे, और इसे अधिनियमों में सुसमाचार विश्वास के शुरुआती दिनों में मजबूत किया गया था, जहाँ विश्वासियों के पास सब कुछ समान था। इसमें कुछ भौतिक चीज़ें शामिल थीं, लेकिन वह उन चीज़ों से विकसित हुईं जो आध्यात्मिक थीं।

यह प्रेरितों के उपदेश और भोज में रोटी बांटने से विकसित हुआ। पेंटेकोस्ट के लगभग तीन दशक बाद, जैसे ही पॉल ने इस पत्र को पूरा किया, समुदाय का यह पैटर्न जारी रहा। और

इसलिए अंत में, वह टाइटस और क्रेते के अन्य लोगों को शुभकामनाएँ देता है, न केवल अपनी ओर से, बल्कि पॉल के साथ अन्य लोगों की ओर से जो समुदाय की प्रतिबद्धताओं और प्रतिबद्धताओं को साझा करते हैं।

जब वह कहता है, उन लोगों को नमस्कार करो जो हमें विश्वास में प्यार करते हैं, तो वह उन लोगों के लिए विशेष स्नेह व्यक्त करता है जो उस प्रेरितिक विश्वास के साथ प्रतिध्वनित होते हैं जिसकी पुष्टि पॉल कर रहा है और जिसे टाइटस बनाए रखने के लिए प्रयास कर रहा है। एक टिप्पणीकार का कहना है कि ऐसे कुछ लोग हैं जो इस रुख से सहमत नहीं हैं, जिन्होंने अपने पाप के कारण चर्च निकाय छोड़ दिया होगा। क्रेते में सामाजिक वास्तविकताएं, मानव स्वभाव, और भगवान के राज्य के लिए गिरी हुई दुनिया का प्रतिरोध हमेशा सामंजस्यपूर्ण सामुदायिक संबंधों और उत्पादक विश्वास अभिव्यक्ति को विफल करने की साजिश रचता रहेगा।

तो, पॉल राज्य के अस्तित्व की कुंजी के साथ समाप्त होता है। राज्य के अस्तित्व की कुंजी अनुग्रह है। अनुग्रह आप सभी पर हो, न केवल टाइटस पर, बल्कि उन सभी पर जो ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता मसीह की पूजा और सेवा में उसके साथ शामिल होते हैं।

बहुवचन में इस बदलाव का मतलब यह हो सकता है कि पॉल को पता था कि पत्र पूरे चर्च में पढ़ा जाएगा, या यह आसानी से स्वीकार कर सकता है कि एक पादरी के दिल से लिखकर, उसी समय, वह एक सामाजिक समूह को लिख रहा था। वह सिर्फ एक पृथक विचारक को नहीं लिख रहे थे। सच्चा चरवाहा या उपचरवाहा झुंड में से एक है।

और मुझे लगता है कि टाइटस एक सच्चा चरवाहा था। पॉल की कृपा की घोषणा उसके सभी मौजूदा पत्रों के अंत में या अंत में आती है। बहुत सी पांडुलिपियों में अंतिम शब्द आमीन जोड़ा गया है, हालांकि यहां सर्वश्रेष्ठ गवाहों के पास आमीन नहीं है।

पॉल और टाइटस का एक लंबा इतिहास था। उसे टाइटस को सुसमाचार अनुग्रह की केंद्रीयता और भव्यता के बारे में सिखाने की ज़रूरत नहीं थी। वह पहले ही पत्र में ऐसा कर चुका है।

यह अनुग्रह सभी लोगों को मुक्ति प्रदान करता है। यह अनुग्रह उचित है ताकि वे इस महान विरासत के उत्तराधिकारी बन सकें। ग्रेस उन कठिन कार्यों में टाइटस का समर्थन करने जा रही है जिनका वह सामना करता है क्योंकि ग्रेस विश्वासियों को रोमन साम्राज्य के विस्तार से जोड़ती है।

क्रेते केवल एक नेटवर्क का हिस्सा था, चर्चों और सभाओं का एक विस्तारित नेटवर्क। जैसे-जैसे ईश्वर की मुक्ति का वादा सामने आता है और जैसे-जैसे हमारे महान ईश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा निकट आती है, अनुग्रह दुनिया के सभी कोनों में सुसमाचार संदेश प्राप्त करने वाले लोगों को बदलता रहता है। और वह कृपा आज इतनी मजबूत है कि जैसा कि मैं 2022 में बोलता हूं, और फिर गॉर्डन-कॉनवेल में वैश्विक ईसाई धर्म के वैश्विक अध्ययन केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, हम आज दुनिया में एक राज्य हैं जहां अगर हम प्रोटेस्टेंट के बारे में बात करते हैं, यह सिर्फ एक संख्या है जो मेरे दिमाग में घूमती रहती है, दुनिया में उत्तरी अमेरिका में रहने वाले प्रोटेस्टेंटों का प्रतिशत लगभग 10 प्रतिशत है।

और विश्व में यूरोप में प्रोटेस्टेंटों का प्रतिशत लगभग 12-13 प्रतिशत है। आपने सुना होगा कि ईसाई धर्म एक श्वेत व्यक्ति का धर्म है, लेकिन वास्तव में 1960 के दशक में ही दुनिया में ईसाई धर्म का विस्तार हो गया था, जिसे पश्चिमी विचारकों ने नजरअंदाज कर दिया था, लेकिन पहले से ही 60 के दशक में दुनिया की अधिकांश ईसाई आबादी नहीं थी लम्बा सफेद. और इस प्रकार, इस समय तक विश्व के 18 प्रतिशत ईसाई एशिया में हैं।

विश्व में अन्य 18 प्रतिशत प्रोटेस्टेंट दक्षिण अमेरिका में हैं। जहाँ तक दुनिया में प्रोटेस्टेंटों की बात है, 10 प्रतिशत उत्तरी अमेरिका में हैं, और 44 प्रतिशत अफ्रीका में हैं। सुसमाचार का प्रवाह अपने पूर्व गढ़ से दूर हो गया है।

वहाँ एक सुधार हुआ, जो उस चीज़ की शुरुआत थी जिसे हम प्रोटेस्टेंट ईसाई धर्म कहते हैं। वह सुधार जर्मनी में हुआ था, और सुधार एक यूरोपीय और फिर उत्तरी अमेरिकी घटना रही है। और यह सुधार चर्चों से ही था कि अंततः एक मिशनरी आंदोलन हुआ और सुसमाचार को दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका और एशिया तक ले जाया गया।

और कई, कई पीढ़ियों तक बहुत कुछ नहीं हुआ। और कैथोलिक भी सुसमाचार ले जा रहे थे या कैथोलिक धर्म को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में ले जा रहे थे, जिसका प्रोटेस्टेंट जो करने की कोशिश कर रहे थे उस पर एक तरह का सहायक प्रभाव पड़ा। लेकिन 20वीं शताब्दी तक ऐसा विस्फोट नहीं हुआ था जिसकी कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता था और कोई भी वास्तव में पहले विश्वास नहीं कर सकता था।

1950 में, चीन ने उन सभी मिशनरियों को निष्कासित कर दिया जो लगभग एक सदी से वहाँ थे और उनके पास दिखाने के लिए बहुत कम था। सौ वर्षों के बाद शायद उनके पास पाँच लाख ईसाई थे। और चीनियों द्वारा उन्हें चावल ईसाई कहा जाता था।

उन्होंने कहा, वे सिर्फ भोजन पाने के लिए मिशनरियों के साथ थे। और फिर चर्च के इतिहास में चर्च के सबसे बुरे उत्पीड़नों में से एक 1950 से 1980 तक चीनी कम्युनिस्ट सरकार के अधीन हुआ था। 1980 में, मैं वास्तव में अपने धार्मिक अध्ययन में शामिल हो रहा था और दुनिया राजनीतिक रूप से बदल रही थी और चीन खुल गया था।

और लोगों ने रिपोर्टें बनाना शुरू कर दिया, चीन में अब बहुत सारे ईसाई हैं। और उस समय की रिपोर्टें कह रही थीं, ऐसा प्रतीत होता है कि अब चीन में 10 या 20 या 30 या 50 मिलियन ईसाई हैं। खैर, चाहे आप 500,000 से 10 मिलियन, 20 मिलियन, 30 मिलियन या उससे अधिक हो जाएं, यह उत्पीड़न के तहत कैसे हो सकता है? और ऐसा ही कुछ अफ्रीका, एशिया, मोटे तौर पर दक्षिण अमेरिका, धर्मनिरपेक्ष युग में हुआ है, जहां पश्चिम में विचार था कि हम कम से कम धार्मिक होते जा रहे हैं क्योंकि हम अधिक तकनीकी होते जा रहे हैं।

हम और अधिक स्मार्ट बनने जा रहे हैं। हमें यह एहसास होगा कि धर्म युद्ध और समस्याओं का कारण है और आइए धर्म से छुटकारा पाएं, और फिर हमारे पास एक बेहतर दुनिया होगी। दरअसल हुआ यह है कि पिछली आधी सदी में दुनिया अधिक से अधिक धार्मिक हो गई है।

नकारात्मक पक्ष पर, इसके परिणामस्वरूप अक्सर अधिक मौतें होती हैं, अधिक युद्ध होते हैं, और यह विशेष रूप से ईसाई धर्म पर कठोर है क्योंकि मैंने पहले के एक व्याख्यान में कहा था, वैश्विक ईसाई धर्म अध्ययन केंद्र का मानना है कि वार्षिक रूप से प्रतिदिन लगभग 247 लोग आधार और दशक आधार को उनके ईसाई विश्वास के कारण मार दिया जाता है। वह प्रति वर्ष 90,000 है। तो, हाँ, ईसाइयों की हत्या हो रही है।

साथ ही, ईसाई धर्म का तीव्र गति से विस्तार हो रहा है। और मैं यह सब ईश्वर की कृपा की शक्ति को रेखांकित करने के लिए कहता हूँ। मुझे नहीं पता कि यह कहां ले जायेगा।

मैं नहीं जानता कि जो लोग अब ईसाई के रूप में पंजीकरण करा रहे हैं उनमें से कितने प्रतिशत लोग ईसाई बनेंगे। मैं जानता हूँ कि वही समस्याएँ जो हम टाइटस की पुस्तक में पाते हैं, समस्याएँ बनने जा रही हैं और दुनिया भर के चर्च के लिए समस्याएँ हैं। झूठे शिक्षक होंगे।

ऐसे लोग होंगे जो गिर जाएंगे। ऐसे लोग होंगे जो अंदर आएंगे और वे बिल्कुल वही होंगे जिन्हें जर्मन लोग शेंक्रिस्टेन कहते हैं, केवल दिखने में ईसाई। हम उन्हें नाममात्र का ईसाई कहते हैं।

आने वाले समय में चर्च को आश्चर्यजनक कठिनाइयाँ होंगी। लेकिन मैं यह भी जानता हूँ कि नरक के द्वार चर्च पर हावी नहीं होंगे। और जब से यीशु ने ये शब्द कहे हैं तब से यह सच है।

दुनिया में भगवान का बचाने का काम अजेय है। इसका पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता, लेकिन इसे विफल नहीं किया जा सकता। और यह उत्पत्ति 3.15 और उत्पत्ति अध्याय 12 और मानवता के इतिहास में उन सभी अन्य चौराहों और अपने लोगों के लिए भगवान के वादों और दुनिया में भगवान के काम के इतिहास में चौराहे के बाद से सच है।

उन सभी चौराहों पर यह सच है। परमेश्वर के कार्य का विरोध किया गया है और उसने किसी भी समय ऐसा देखा है जैसे यह सब यहीं समाप्त हो जाएगा। और विशेष रूप से जब परमेश्वर के वादे के चैंपियन को गिरफ्तार कर लिया गया और उसका मज़ाक उड़ाया गया और उसे पीटा गया और यातना दी गई और उसने अपनी आत्मा त्याग दी।

मुझे लगता है कि शैतान ताली बजा रहा था और निश्चित रूप से यीशु के दुश्मन ने कहा, हमने इसे समाप्त कर दिया है, और यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह चीज़ समाप्त हो गई है, हम कब्र के पास एक पहरा बिठाने जा रहे हैं। लेकिन कुछ? वह उठे और चीजें अभी भी आगे बढ़ रही हैं। और इसलिए मैं आपको उस अनुग्रह में प्रोत्साहित करना चाहता हूँ जिसमें टाइटस की पुस्तक हमें प्रोत्साहित करती है और उस पर विश्वास करती है, उस पर विश्वास करती है, अच्छे कार्यों में समृद्ध होती है, और उसकी कृपा के माध्यम से भगवान के लिए सम्मान और महिमा लाती है।

धन्यवाद।

यह डॉ. रॉबर्ट यारब्रॉ, देहाती धर्मपत्रों, देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए प्रेरितिक निर्देश पर अपने शिक्षण में हैं। सत्र 14, टाइटस 3.

